RJ-06

December - Examination 2017

B.A. Pt. III Examination

राजस्थानी भाषा अर साहित्य रो इतिहास

Paper - RJ-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ प्रश्न पत्र तीन खण्डां में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खणड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळां सवालां रौ पड़ूत्तर देणौ जरूरी है। सबद सीमा अेक सबद, अेक वाक्य अर अधिकतम 30 सबद है।

1) (i) कुंवलयमाला पोथीरा रचनाकार रौ नाम बतावो।

(ii) मुड़िया लिपिरौ दूजो नाम कांई है?

(iii) भीली उपनोली कस बोली सूं सम्बंध राखै है?

(iv) हंदारा दोद भेद कुणसा है?

(v) ''सांजण आंवण कह गये, कर गये होळ अनेक'' उपरोक्त ओळी में कुणसौ अलंकार प्रयुक्त व्हीयों है?

(vi) आदिकाल रौ दूजो नाम कांई है?

(vii) 'कान्हड़दे प्रबन्ध' रचना रै रचनाकार रौ नाम बतावो।

(viii) आधुनिक प्रकृतिवादी काव्य रा दोय नाम बतावो।

(ix) आधुनिक राजस्थानी महिला कथाकार रा कोई तीन नाम दरसावो।

(x) लोकसाहित्य री चांवी विधावां रा नाम गिणावौ।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचे लिख्यां सवालां मांय सूं कोई **चार** सवाल करणा है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) राजस्थानी भाषा में 'व्याकरण' री महत्ता नै दरसावौ।

3) शेखावाटी बोली पर टिप्पणी लिखो।

4) राजस्थानी व्याकरणगत विसेसतावां ध्वन्यात्मक या उच्चारण सम्बन्धी विसेसतावां नै उदाहरण सैती समझावो।

5) 'चौपाई' छंद रा लक्षण अर उदाहरण समैत विरोळ करो।

6) 'यमक' अर 'श्लेष' अलंकार माथै टिप्पणी लिखो।

7) 'रासो' साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

8) लोकासाहित्य अर अभिजात्य साहित्य में अंतर स्पष्ट करो।

9) राजस्थानी लोक कहावतां रै महत्व नै उजागर करो।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचे लिख्यां सवालां मांय सूं कोई **दो** सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) राजस्थानी भाषा अेक सुवतंतर भाषा है? भाषा रै तत्वां मुजब इणरी विरोळ करो।

11) लिपि रै उद्‌भव अर विकास री जातरा नै आपरै सबदां में समझावो।

12) राजस्थानी ख्यात साहित्य री परंपरा री विरोळ करो।

13) राजस्थानी कविता री प्रमुख प्रवृत्तियां नै उदाहण समेत समझावो।